Send Pdf

Class - X

28/4/21

कक्षा - कार्य

संदेश - लेखन

* संदेश शब्द की उत्पत्ति संस्कृत में मानी गई है। संदेश का अर्थ है खबर या समाचार प्राप्त करना। जब कोई व्यक्ति किसी कारणवश किसी दूसरे व्यक्ति से सीधे बात नहीं कर सकता है तब वह संदेश के द्वारा कोई जानकारी या समाचार उस तक पहुंचाता है। ये संदेश लिखित या मौखिक दोनों हो सकते है।

* संदेश लेखन के प्रकार:- संदेश निम्न प्रकार के होते हैं:-

1) शुभकामना संदेश
2) शोक संदेश
3) व्यक्तिगत संदेश
4) सामाजिक संदेश
5) मिश्रित संदेश

* संदेश लेखन के समय ध्यान रखने वाली बातें:-
संदेश लेखन के समय ~~निमन~~ निम्नलिखित बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए।

1) संदेश को किसी सीमा रेखा जैसे बॉक्स के अंदर लिखा जाना चाहिए।

2) संदेश की शुरुआत में 'संदेश' शब्द अवश्य लिखें। उसके बाद दिनांक, समय अवश्य लिखें।

3) फिर मुख्य विषय का कम लेकिन प्रभावशाली शब्दों में वर्णन करें।

4) अंत में संदेश लिखनेवाले का नाम अवश्य लिखें।

5) संदेश-लेखन की शब्द सीमा 30-40 शब्दों तक होनी चाहिए।

Scanned by TapScanner

6. अगर चित्रों का उपयोग करना उचित लगे तो विषय के अनुसार किया जा सकता है।

7. अगर दोहे, श्लोक या कविता की आवश्यकता हो तो उसका प्रयोग किया जा सकता है।

8. संदेश में रचनात्मकता और सृजनात्मकता होनी चाहिए।

9. विषय के अनुसार रंगों का भी प्रयोग किया जा सकता है।

10. संदेश [redacted] के अंदर इधर-उधर की बातें न लिखकर केवल विषय-वस्तु पर ध्यान देना अति आवश्यक है।

Scanned by TapScanner